सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–3 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 3 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

1. आकृति एवं स्थान की समझ

आकृति के आधार पर चीज़ों का वर्गीकरण करना : गेंद, बर्फी, कीप, ड्रम, पापड़, कागज जैसी चीज़ों को वर्गीकृत करना।त्रिआयामी आकृतियों को द्विआयामी आकृतियों में खोलना।

सममिति की समझ : सममिति की समझ (लाइन सममिति)। सममित आकृतियों में सममित अक्ष खोजना। सममिति के आधार पर रचित चीज़ें बनाना/पूरा करना।

टॉपव्यू/साइड व्यू : दैनिक जीवन में इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ों को अलग–अलग दृष्टिकोण से देखना। टॉप और साइड व्यू को पहचान पाना।

2. संख्या एवं संक्रियाएँ

100 तक की संख्याओं की समझ के दोहरान हेतु अभ्यास कराना।

500 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ : विभिन्न अर्थपूर्ण संदर्भ व परिस्थितियों द्वारा 500 तक की संख्याओं की मात्रात्मक समझ महसूस करना।

500 तक संख्या लिखना : सभी बच्चों को 500 तक की संख्याओं को लिखने का अभ्यास कराना।

दो अंक की संख्या के इबारती सवाल हल करना : इबारती सवाल जिनमें जोड़ने तथा घटाने की जरूरत पड़े और उसे संख्या तथा चिह्न द्वारा लिखा जा सके।

दो अंक की संख्याओं से कॉलम में जोड़ करना : कॉलम में संख्याएं लिखना तथा जोड़ करना।

इकाई, दहाई तथा सैंकड़ा के अनुसार संख्याएँ लिखना : इकाई, दहाई और सैंकड़ा को ऊपर लिखकर बताना। यहाँ देखना होगा कि सौ कितने हैं, 10 कितने हैं और खुल्ले कितने हैं।

दो अंकों वाले आड़े में लिखे सवाल को कॉलम में लिखकर जोड़ना : आड़े में लिखे जोड़ के सवाल को कॉलम में लिखने का अभ्यास कराएँ तथा कितने सैंकड़ा, कितनी दहाई व कितनी इकाई बन रही हैं इस पर चर्चा करना।

दो अंक के सवालों के साथ हासिल की जोड़ तथा बाकी : हासिल की जोड़–बाकी तथा हासिल देने के मायने पर काम करना। कॉलम में जोड़ करने के फायदे पर चर्चा करना। पहले बाएँ से दाहिने जोड़ करना फिर उसके बाद दाहिने से बाएँ जोड़ करने पर जाना चाहिए।

जोड़ना और घटाना एक दूसरे की विपरीत प्रक्रिया : परिचित संदर्भ के सवालों से यह अहसास विकसित करना कि जोड़ना और घटाना एक दूसरे की विपरीत संक्रियाएँ हैं।

संख्या का अंदाज़ा लगाना : अलग–अलग संदर्भों को काम में लेते हुए संख्या का अंदाज़ा लगाना।

गुणा करना : परिचित संदर्भ में गुणा सिखाना।

3. भिन्न की समझ

बराबर बँटवारे के संदर्भ से पूर्ण संख्या में हिस्सा मिलना : चार रोटी को दो बच्चों में बराबर बाँटने पर कितना मिलेगा। इस प्रकार के बँटवारे में प्रत्येक को पूर्ण संख्या मिलेगी।

बराबर बँटवारे के संदर्भ से अपूर्ण संख्या में हिस्सा मिलना : पाँच रोटी को दो लोगों में बराबर बाँटा जाए तो हर एक को कितना हिस्सा मिलेगा। आधा, ढाई तथा सवा जैसे शब्दों की मदद से हिस्सा बता सकना।

4. मापन इकाइयाँ

असमान अमानक से समस्या : असमान अमानक जैसे बालिश्त, कदम आदि के साथ उनकी असमानता के कारण मापन में आने वाली समस्याओं का अहसास कराना।

किसी समान मानक की आवश्यकता : समान मानक इकाइयों की आवश्यकता महसूस कराना।

क्षेत्रफल की समझ : जगह भरना – कॉपियों, अख़बार की मदद से मेज़ को पूरा ढँकना।

कम व ज्यादा क्षेत्रफल का आभास कराना।

अंदाज़ा लगाना : क्षेत्रफल के आधार पर अंदाज़ा लगाना।

भार : कम और ज्यादा भार – चार या पाँच चीज़ों को भार के आधार पर क्रम में जमाना।

धारिता : धारिता के आधार पर क्रम में जमाना – चार या पाँच बर्तनों को उनके धारिता के क्रम में जमाना।

धारिता की तुलना : बर्तनों की धारिता की तुलना समान अमानक इकाई के द्वारा करना।

अनुमान लगाना : अनुमान लगाकर बताओ कितने बार में भरेगा।

समय : साल में महीनों, सप्ताह के दिन का दोहरान करवाना।

दिन तथा तारीख : कैलेण्डर से दिन व तारीख बताना। (एक से ज्यादा महीनों के कैलेण्डर के साथ काम करना।)

मुद्रा : खुल्ला करना – 100 रुपये का खुल्ला किस–किस प्रकार बन सकता है।

शेष रुपये वापिस लेना : दुकान से खरीददारी करने का खेल तथा शेष रुपये वापिस लेना।

खरीददारी तथा बिक्री : दैनिक जीवन में खरीददारी–बिक्री के अनुभव आधारित सवाल जिससे रुपये की समझ पक्की हो।

गुणा करने पर मात्रा में होने वाले परिवर्तन का अहसास : यह ध्यान देना जरूरी है कि गुणा करने पर मात्रा बढ़ती भी है और घट भी सकती है (लम्बाई व संख्या दोनों में)। **गुणा के चिह्न से परिचय :** गुणा के चिह्न से परिचय तथा एक ही मात्रा को बार–बार जोड़ने से मिलने वाले उत्तर और उतने ही गुणा करने में संबंध देखना। दो गुना करने तथा आधा करने के संदर्भ पर आधारित सवाल करना। **पहाड़े बनाना :** एक से पाँच तक के पहाड़े बनाना। पहाड़े बनाने के कुछ अभ्यास प्रारंभ करना। लेकिन रटाने का प्रयास अभी नहीं करें। **भाग से परिचय :** समूह बनाना तथा बँटवारा करने के संदर्भों से भाग करने की अवधारणा से परिचय कराना।	**5. आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न** **आँकड़ों का प्रबंधन** **सूचनाएँ दर्ज़ करना :** आसपास से अवलोकन कर कुछ सूचनाओं को दर्ज़ करना। **टैली मार्क का प्रयोग :** एकत्रित सूचनाओं को टैली मार्क का प्रयोग कर व्यवस्थित करना। **पिक्टोग्राफ देखना :** पुस्तक में दिए गए पिक्टोग्राफ देखकर जरूरी सूचनाएं निकालना। **पैटर्न :** आसपास के परिवेश में पैटर्न खोजना। आकृति तथा बनावट के आधार पर पैटर्न पहचानना। आकृति तथा बनावट के आधार पर पैटर्न को आगे बढ़ाना। आकृति तथा बनावट के आधार पर नये पैटर्न बनाना। जोड़–घटाव के आधार पर 100 तक की संख्याओं में पैटर्न पहचानना और पैटर्न को आगे बढ़ाना।

प्रथम टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• किसी भी आकृति/चीज़ को ऊपर से, सामने से एवं साइड़ से देखने पर कैसी दिखेगी ? इसे समझ के साथ विजुअलाइज़ कर सकें। • त्रिआयामी आकृतियों के आधार पर चीज़ों का वर्गीकरण समझ के साथ कर सकें। जैसे– गेंद, बर्फी जैसी चीज़ें। • त्रिआयामी आकृति जैसे घन, घनाभ, बेलन, गोला एवं शंकू में समझ के साथ अन्तर कर सकें एवं इन आकृतियों के द्विआयाम में पृष्ठीय विकास की समझ बना सकें।	**1 व 3**	**1–2, 11–15**
2	**संख्या ज्ञान**	• 1 से 200 तक की संख्याओं को ठोस से एवं संख्या रेखा पर निरुपित करने की समझ बना सकें तथा संख्याओं की तुलना कर सकें। • संख्याओं को अंकों से शब्दों एवं शब्दों से अंकों में लिखने की समझ स्थानीयमान के आधार पर बना सकें।	**2, 4 व 6**	**3, 7–10, 20–22, 28–33**
3	**संक्रियाएँ**	• दहाई में दहाई का जोड़ संख्या रेखा पर करने की आरम्भिक समझ बना सकें। • दहाई में इकाई व दहाई में दहाई का जोड़ना–घटाना समझ के साथ कर सकें।	**2 व 4**	**4–6, 16–20**
4	**मापन इकाइयाँ**	• अमानक इकाइयों की मदद से परिवेशीय चीज़ों की लम्बाई समझ के साथ माप सकें, दूरी का अनुमान लगा सकें एवं मापकर अनुमान के सही होने की पुष्टि कर सकें।	**7**	**34–37**

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के उपसमूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

उपसमूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

उपसमूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

नोट : हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय में उपसमूह एक अथवा दो में पदस्थापन सत्रारंभ में किए गए आधार रेखा आकलन अथवा पूर्व कक्षा के योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाएगा। जबकि पर्यावरण अध्ययन एवं कला शिक्षण में दैनन्दिक शिक्षण प्रक्रिया के अनुसार बदलते हुए उपसमूह बनाए जा सकते हैं।

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
दो अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ कर पाना एवं स्थानीयमान के तर्क को समझते हुए मोती माला की मदद से संख्या रेखा पर हल कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या चार्ट की मदद से दो अंकों की संख्याओं का जोड़ना–घटाना समझ के साथ कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद से लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
दो अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ कर पाना एवं स्थानीयमान के तर्क को समझते हुए मोती माला की मदद से संख्या रेखा पर हल कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या चार्ट की मदद से दो अंकों की संख्याओं का जोड़ना–घटाना समझ के साथ कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद से लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव की इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• इकाई, दहाई व सैंकड़े की समझ से 500 तक की संख्या बना सकें, पूछी गई संख्या में चीज़ें निकालकर दे सकें, किसी भी संख्या में इकाई, दहाई व सैंकड़ा की संख्या समझ के साथ बता सकें। • 500 तक की संख्याओं को विस्तार एवं विस्तारित रूप में तथा अंकों से शब्दों व शब्दों से अंकों में लिख सकें, बोली गई संख्या को सुनकर बता सकें एवं किसी संख्या की अनुवर्ती व प्रतिवर्ती संख्या बता सकें।	8 व 10	38–42, 49–51
2	**संक्रियाएँ**	• दो अंकों की संख्याओं का हासिल व बिना हासिल का जोड़ना तथा उधार व बिना उधार का घटाना स्थानीयमान की समझ बनाते हुए कर सकें एवं प्रचलित कलन विधि से समझ के साथ सवाल हल कर सकें तथा दैनिक जीवन की जोड़–घटाव पर आधारित संक्रियाएँ समझ के साथ हल कर सकें।	10 व 12	52–55, 60–64
3	**मापन इकाइयाँ**	• अमानक इकाई से धारिता मापने एवं धारिता की उपलब्धता को समझ सकें। • हल्के व भारी का अनुमान अमानक इकाइयों में लगा सकें तथा चीज़ों को हल्के से भारी के क्रम में रख सकें।	11 व 13	65–68, 56–59
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• टेलीमार्क से आँकड़े संकलित कर सकें एवं उपयुक्त इकाई मानकर आँकड़ों को प्रस्तुत कर सकें तथा आँकड़ों पर चर्चा करके निष्कर्ष निकाल सकें।	9	43–48

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरुपण कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
दो अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद से भार, धारिता व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
अमानक इकाइयों में भार का अनुमान लगा पाना एवं भार के बढ़ते–घटते क्रम में चीज़ों को रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुजरे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरुपण कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
दो अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद से भार, धारिता व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
अमानक इकाइयों में भार का अनुमान लगा पाना एवं भार के बढ़ते–घटते क्रम में चीज़ों को रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुजरे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव की इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

तृतीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• परिवेशीय चीज़ों एवं उनके चित्रों से सममित आकृति एवं सममिति की समझ बना सकें।	5	23–27
2	**संख्या ज्ञान**	• 500 तक की संख्याओं की समझ का दोहरान कार्य, जिसमें 1, 10 व 100 के नोटों से खुल्ले–बँधे एवं संख्याओं में बण्डल व खुल्लों की समझ का कार्य कर सकें। • संख्याओं में तुलना कर सकें तथा ठीक पहले, ठीक बाद एवं बीच की संख्या बता सकें, संख्याओं को क्रम में लिख एवं संख्याओं को बढ़ते–घटते क्रम में जमा सकें।	14 व 16	69–71, 80–83
3	**संक्रियाएँ**	• तीन अंकों की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना तथा बिना उधार व उधार का घटाना समझ के साथ कर सकें।	16	77–79, 84–87
4	**मापन इकाइयाँ**	• मुद्रा की इकाइयों में समझ के साथ लेन–देन कर सकें तथा बिल पढ़ने एवं मुद्रा पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ समझ कर हल कर सकें।	17	88–90
5	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• आकृतियों एवं चित्रों से बने पैटर्न को खोज सकें तथा समझ के साथ दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ाने, संख्याओं के पैटर्न खोजने एवं आगे बढ़ाने की समझ बना सकें।	15	72–76

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
सरलतम आकृतियों को परिवेशीय चीज़ों व उनके चित्रों में सममिति को खोज पाना एवं अधूरे चित्र सममिति के आधार पर पूरे कर पाना।	I																									
	II																									
सममिति पर आधारित कलात्मक कार्य कर पाना। (मुखौटे, वस्तु चित्र, नृत्य मुद्राएं आदि)	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरुपण कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद् से भार, धारिता व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
अमानक इकाइयों में भार का अनुमान लगा पाना एवं भार के बढ़ते–घटते क्रम में चीज़ों को रख पाना।	I																									
	II																									
500 रुपये तक दैनिक जीवन में लेन–देन पर आधारित समस्याएं हल कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुज़रे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेश में उपलब्ध चीज़ों में बने पैटर्न जैसे– कपड़ों पर बने डिज़ाइन तथा चित्रों के पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं में संक्रियाओं से बने पैटर्न खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना। (सरलतम प्रारम्भिक स्तर)	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
सरलतम आकृतियों को परिवेशीय चीज़ों व उनके चित्रों में सममिति को खोज पाना एवं अधूरे चित्र सममिति के आधार पर पूरे कर पाना।	I																									
	II																									
सममिति पर आधारित कलात्मक कार्य कर पाना। (मुखौटे, वस्तु चित्र, नृत्य मुद्राएं आदि)	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरुपण कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद् से भार, धारिता व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
अमानक इकाइयों में भार का अनुमान लगा पाना एवं भार के बढ़ते–घटते क्रम में चीज़ों को रख पाना।	I																									
	II																									
500 रुपये तक दैनिक जीवन में लेन–देन पर आधारित समस्याएं हल कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुज़रे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेश में उपलब्ध चीज़ों में बने पैटर्न जैसे– कपड़ों पर बने डिज़ाइन तथा चित्रों के पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं में संक्रियाओं से बने पैटर्न खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना। (सरलतम प्रारम्भिक स्तर)	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव की इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• आधे की प्रारम्भिक समझ बना सकें।	19	98–100
2	**संक्रियाएँ**	• बराबर–बराबर बँटवारे की समझ बना सकें। • इकाई में इकाई के गुणा एवं दहाई में इकाई के गुणा की समझ बना सकें। गुणा पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर सकें तथा दो से पाँच तक के पहाड़ों की समझ बना सकें। • बराबर–बराबर समूहों में बाँटने के संदर्भ से भाग की अवधारणा की समझ बना सकें तथा एक ही संख्या को बार–बार घटाने के संदर्भ में भाग के दूसरे अर्थ को समझ सकें।	19, 20, 22, 24 व 25	96–100, 101–108, 112–117, 121–130
3	**मापन इकाइयाँ**	• क्षेत्रफल की आरम्भिक समझ बना सकें, दूरी की अमानक इकाई बालिश्त एवं क्षेत्रफल की अमानक इकाई नोटबुक व अखबार से क्षेत्रफल का अनुमान लगा सकें एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर सकें। • कैलेण्डर पढ़ने, वर्ष के महीने, महीने के दिनों व सप्ताह के दिनों के आधार पर वर्ष के दिनों की गणना कर सकें। • दैनिक जीवन में घटने वाली घटनाओं/दिनचर्या पर चर्चा कर सकें, कब–कब क्या–क्या करते हैं, इस पर बातचीत कर सकें।	18, 21 व 23	91–95, 109–111, 118–120

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस कर पाना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
सरलतम आकृतियों को परिवेशीय चीज़ों व उनके चित्रों में सममिति को खोज पाना एवं अधूरे चित्र सममिति के आधार पर पूरे कर पाना।	I																									
	II																									
सममिति पर आधारित कलात्मक कार्य कर पाना। (मुखौटे, वस्तु चित्र, नृत्य मुद्राएं आदि)	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरुपण कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों एवं दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित घटनाओं के माध्यम से आधे की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उधार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बनाने एवं 2 से 5 तक पहाड़े बनाने तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ रख पाना।	I																									
	II																									
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
परिचित संदर्भों से भाग की अवधारणात्मक समझ (बराबर–बराबर बांटकर) रख पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद से भार, धारिता, क्षेत्रफल व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
500 रुपये तक दैनिक जीवन में लेन–देन पर आधारित समस्याएं हल कर पाना।	I																									
	II																									
कैलेण्डर को पढ़कर माह, सप्ताह व दिवस के बारे में बता पाना एवं घटनाओं को क्रम में दे पाना।	I																									
	II																									
नैट (ग्राफ) पर बनी आकृतियों के क्षेत्रफलों की तुलना खाने गिनकर कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुजरे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेश में उपलब्ध चीज़ों में बने पैटर्न जैसे– कपड़ों पर बने डिज़ाइन तथा चित्रों के पैटर्न खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं में संक्रियाओं से बने पैटर्न खोजता है एवं आगे बढ़ा पाना। (सरलतम प्रारम्भिक स्तर)	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस कर पाना)	I																									
	II																									
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																									
	II																									
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
सरलतम आकृतियों को परिवेशीय चीज़ों व उनके चित्रों में सममिति को खोज पाना एवं अधूरे चित्र सममिति के आधार पर पूरे कर पाना।	I																									
	II																									
सममिति पर आधारित कलात्मक कार्य कर पाना। (मुखौटे, वस्तु चित्र, नृत्य मुद्राएं आदि)	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरुपण कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों एवं दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित घटनाओं के माध्यम से आधे की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उधार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बनाने एवं 2 से 5 तक पहाड़े बनाने तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ रख पाना।	I																									
	II																									
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
परिचित संदर्भों से भाग की अवधारणात्मक समझ (बराबर–बराबर बांटकर) रख पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
अमानक इकाइयों की मदद से भार, धारिता, क्षेत्रफल व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
500 रुपये तक दैनिक जीवन में लेन–देन पर आधारित समस्याएं हल कर पाना।	I																									
	II																									
कैलेण्डर को पढ़कर माह, सप्ताह व दिवस के बारे में बता पाना एवं घटनाओं को क्रम में दे पाना।	I																									
	II																									
नैट (ग्राफ) पर बनी आकृतियों के क्षेत्रफलों की तुलना खाने गिनकर कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुजरे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेश में उपलब्ध चीज़ों में बने पैटर्न जैसे– कपड़ों पर बने डिज़ाइन तथा चित्रों के पैटर्न खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं में संक्रियाओं से बने पैटर्न खोजता है एवं आगे बढ़ा पाना। (सरलतम प्रारम्भिक स्तर)	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव की इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

शिक्षक के नोट्स